



Aarti bhiel

12 Sep 2015

11:15 AM

Shahpura

Model: web-freekundliweb

Order No: 120942713

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 12/09/2015
दिन _____: शनिवार
जन्म समय _____: 11:15:00 घंटे
इष्ट _____: 12:31:21 घटी
स्थान _____: Shahpura
राज्य _____: Rajasthan
देश _____: India

अक्षांश _____: 25:38:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:29:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 10:45:04 घंटे
वेलान्तर _____: 00:03:31 घंटे
साम्पातिक काल _____: 10:08:45 घंटे
सूर्योदय _____: 06:14:27 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:37:48 घंटे
दिनमान _____: 12:23:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 25:05:05 सिंह
लग्न के अंश _____: 00:56:25 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: पू०फाल्गुनी - 1
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: सिद्ध
करण _____: चतुष्पाद
गण _____: मनुष्य
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कन्या

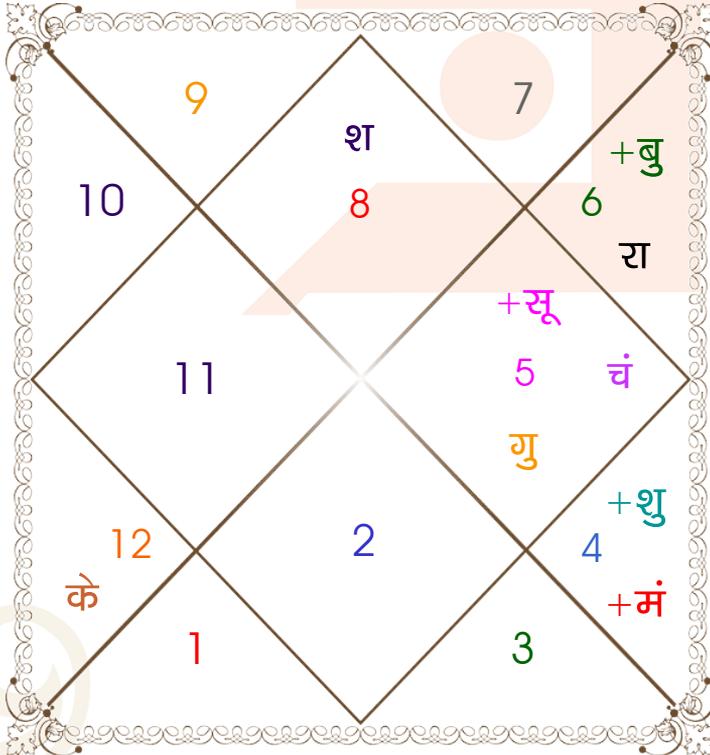
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:56:25	311:46:34	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			सिंह	25:05:05	00:58:23	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	स्वराशि
चंद्र			सिंह	13:47:05	11:53:21	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कर्क	27:50:14	00:37:55	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	नीच राशि
बुध			कन्या	20:23:02	00:30:02	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	स्वराशि
गुरु			सिंह	12:48:42	00:12:54	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	20:58:02	00:13:04	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			वृश्चि	05:31:55	00:03:46	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	06:54:15	00:01:20	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	06:54:15	00:01:20	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	25:34:07	00:02:00	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
नेप	व		कुंभ	14:01:35	00:01:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	18:56:26	00:00:23	पूर्वाषाढा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
दशम भाव			सिंह	06:01:37	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

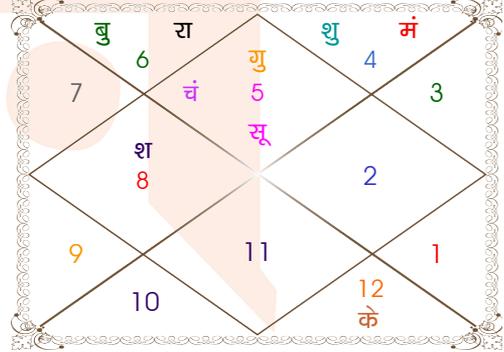
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:36

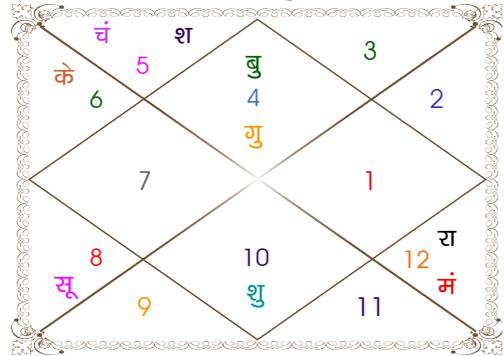
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 3 मास 26 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
12/09/2015	08/01/2035	07/01/2041	08/01/2051	07/01/2058
08/01/2035	07/01/2041	08/01/2051	07/01/2058	08/01/2076
शुक्र 09/05/2018	सूर्य 27/04/2035	चंद्र 08/11/2041	मंगल 06/06/2051	राहु 20/09/2060
सूर्य 09/05/2019	चंद्र 27/10/2035	मंगल 09/06/2042	राहु 23/06/2052	गुरु 13/02/2063
चंद्र 07/01/2021	मंगल 03/03/2036	राहु 08/12/2043	गुरु 30/05/2053	शनि 20/12/2065
मंगल 09/03/2022	राहु 25/01/2037	गुरु 08/04/2045	शनि 09/07/2054	बुध 09/07/2068
राहु 09/03/2025	गुरु 14/11/2037	शनि 08/11/2046	बुध 06/07/2055	केतु 27/07/2069
गुरु 08/11/2027	शनि 27/10/2038	बुध 08/04/2048	केतु 02/12/2055	शुक्र 27/07/2072
शनि 08/01/2031	बुध 02/09/2039	केतु 07/11/2048	शुक्र 31/01/2057	सूर्य 21/06/2073
बुध 08/11/2033	केतु 08/01/2040	शुक्र 09/07/2050	सूर्य 08/06/2057	चंद्र 20/12/2074
केतु 08/01/2035	शुक्र 07/01/2041	सूर्य 08/01/2051	चंद्र 07/01/2058	मंगल 08/01/2076

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
08/01/2076	08/01/2092	09/01/2111	09/01/2128	09/01/2135
08/01/2092	09/01/2111	09/01/2128	09/01/2135	00/00/0000
गुरु 25/02/2078	शनि 11/01/2095	बुध 06/06/2113	केतु 06/06/2128	शुक्र 13/09/2135
शनि 07/09/2080	बुध 20/09/2097	केतु 03/06/2114	शुक्र 06/08/2129	00/00/0000
बुध 14/12/2082	केतु 30/10/2098	शुक्र 03/04/2117	सूर्य 12/12/2129	00/00/0000
केतु 20/11/2083	शुक्र 30/12/2101	सूर्य 08/02/2118	चंद्र 13/07/2130	00/00/0000
शुक्र 21/07/2086	सूर्य 12/12/2102	चंद्र 10/07/2119	मंगल 09/12/2130	00/00/0000
सूर्य 09/05/2087	चंद्र 13/07/2104	मंगल 06/07/2120	राहु 28/12/2131	00/00/0000
चंद्र 07/09/2088	मंगल 21/08/2105	राहु 24/01/2123	गुरु 03/12/2132	00/00/0000
मंगल 14/08/2089	राहु 27/06/2108	गुरु 01/05/2125	शनि 11/01/2134	00/00/0000
राहु 08/01/2092	गुरु 09/01/2111	शनि 09/01/2128	बुध 09/01/2135	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 3 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वाकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृत्ति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृत्ति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृत्ति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृत्ति जैसा व्यवहार करना चाहते हैं। आपकी इस प्रकार की प्रवृत्ति रही अर्थात् इस प्रवृत्ति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढाँचे के होते हैं। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृत्ति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।